

	<p>डिप्लोमा या समकक्ष।</p> <p>(तीन) डीओआईओसीओसी द्वारा प्रदत्त कम्प्यूटर संचालन में सीओसीओसी लेवल का प्रमाण पत्र।</p> <p>वरीयता अर्हताएँ</p> <p>किसी विद्यालय/संस्थान की लाईब्रेरी को संचालित एवं रख-रखाव का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव।</p>
(14) सहायक लेखाकार	<p>अनिवार्य अर्हताएँ</p> <p>(एक) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य विषय में स्नातक (बीओकाम) उपाधि या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एकाउन्टेन्सी।</p> <p>(दो) कम्प्यूटर संचालन में "ओ" लेवल का सर्टिफिकेट जिसमें कम्प्यूटर पर 5000 की डिप्रेशन प्रति घण्टा की गति होना आवश्यक है।</p> <p>वरीयता अर्हताएँ</p> <p>लेखा से सम्बन्धित उच्च उपाधि या अधिक कार्य अनुभव को वरीयता दी जायेगी।</p>
(15) आशुलिपिक	<p>अनिवार्य अर्हताएँ</p> <p>(एक) उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् की इन्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण या सरकार द्वारा उसके समकक्ष घोषित कोई परीक्षा।</p> <p>(दो) हिन्दी आशुलिपि और टंकण में क्रमशः 80 शब्द और 30 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति होना आवश्यक है।</p> <p>(तीन) कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण में 4000 की डिप्रेशन प्रति घण्टा की गति होना अनिवार्य है।</p>

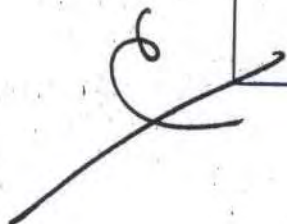
Signature

	<p><u>वरीयता अर्हताएँ</u></p> <p>(एक) अंग्रेजी आशुलिपि एवं टंकण का ज्ञान।</p> <p>(दो) किसी संस्थान में पद के अनुरूप 2 वर्ष का कार्य करने का अनुभव।</p>
(16) ग्राउण्ड मैन	<p><u>अनिवार्य अर्हताएँ</u></p> <p>(एक) उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् अथवा उ०प्र० की इन्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।</p> <p>(दो) किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान/आई०टी०आई से सर्वेयर की योग्यता रखता हो।</p> <p><u>वरीयता अर्हताएँ</u></p> <p>(एक) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में खेल मैदानों की नाप, मार्किंग व रख-रखाव के कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।</p> <p>(दो) राज्य/जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजनों में प्रतियोगिता के आयोजन में कार्य करने का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>राज्य/जिला स्तरीय खिलाड़ी के रूप में किसी खेल में प्रतिभाग किया हो।</p>
(17) मण्डारी	<p><u>अनिवार्य अर्हताएँ</u></p> <p>(एक) उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् अथवा उ०प्र० की इन्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।</p> <p>(दो) कम्प्यूटर टाइपिंग (न्यूनतम 4000 की डिप्रेशन प्रति घण्टा) का ज्ञान।</p>

अनिवार्य

6

	<p>वरीयता अर्हताएँ</p> <p>किसी संस्थान में पद के अनुरूप स्टोर कार्य करने का 2 वर्ष का अनुभव को वरीयता दी जायेगी।</p>
(18) भारी वाहन चालक	<p>अनिवार्य अर्हताएँ</p> <p>(एक) किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो।</p> <p>(दो) भारी वाहन चलाने का वैध ड्राइविंग लाइसेंस नियम 16 के अधीन रिक्ति के सेवायोजन कार्यालय को अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से तीन वर्ष से अन्यून अवधि का रखता हो।</p> <p>वरीयता अर्हताएँ</p> <p>(एक) अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थियों को सेवा में अधिमान दिया जायेगा जिसने—</p> <p>(1) माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ०प्र०/ उत्तराखण्ड की हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो,</p> <p>(2) वाहन यांत्रिकी का ज्ञान हो।</p> <p>(दो) भारी वाहन चलाने का 2 वर्ष का अनुभव।</p>
(19) हल्का वाहन चालक	<p>अनिवार्य अर्हताएँ</p> <p>(एक) किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो।</p> <p>(दो) हल्का वाहन चलाने का वैध ड्राइविंग लाइसेंस नियम 16 के अधीन रिक्ति के सेवायोजन कार्यालय को</p>

	<p>अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से तीन वर्ष से अन्यून अवधि का रखता हो।</p> <p>वरीयता अर्हताएँ</p> <p>(एक) अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थियों को सेवा में अधिमान दिया जायेगा जिसने:-</p> <p>(1) माध्यमिक शिक्षा परिषद उ०प्र०/ उत्तराखण्ड की हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो,</p> <p>(2) वाहन यांत्रिकी का ज्ञान हो।</p> <p>(दो) हल्का वाहन चलाने का 2 वर्ष का अनुभव।</p>
--	--

मिनिस्ट्रियल संवर्ग :-

पद	अर्हताएँ
(20) कनिष्ठ सहायक	<p>अनिवार्य अर्हताएँ</p> <p>(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड की इन्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण या सरकार द्वारा उसके समकक्ष घोषित कोई परीक्षा।</p> <p>(दो) हिन्दी टंकण में कम्प्यूटर पर 4000 की-डिप्रेशन प्रति घंटे की न्यूनतम गति रखता हो।</p> <p>वरीयता अर्हताएँ</p> <p>(एक) अंग्रेजी टंकण का ज्ञान।</p> <p>(दो) किसी संस्थान में पद के अनुरूप कार्य करने का अनुभव।</p>

amish

[Signature]

अन्य व्यवस्थाओं हेतु :-

(21) अनुसेवक (मृत संवर्ग)	अन्य स्रोत/आउटसोर्सिंग के माध्यम से
(22) माली (मृत संवर्ग)	
(23) सहायक कुक	
(24) पम्प ऑपरेटर	
(25) ग्राउण्ड स्टाफ	
(26) सफाई जमादार	
(27) चौकीदार	

अनिवार्य/अधिमानी
अर्हता

9. (1) सीधी भर्ती समूह 'ग' के पदों पर भर्ती हेतु वही अभ्यर्थी पात्र होगा जिसका नाम उत्तराखण्ड राज्य में स्थित किसी सेवायोजन कार्यालय में पंजीकृत हो।
- (2) अन्य बातों के समान होते हुए भी सीधी भर्ती के मामले में उस अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसने :-
- (एक)- (क) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो, या
(ख) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो, या
(ग) एन0एस0एस0 का 'सी' प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।
- (दो)- राष्ट्रीय/राज्य/अन्तरविश्वविद्यालय स्तर में खेलों में उपलब्धि/प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया हो (ऐसे पद, जिन पदों के खेल उपलब्धि अनिवार्य अर्हताएँ नहीं हैं):-
- (क) राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उपलब्धि प्राप्त अभ्यर्थी हो।
(ख) राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया हो अथवा राज्य स्तर पर कोई खेल उपलब्धि प्राप्त की हो।
(ग) राज्य स्तर अथवा अन्तरविश्वविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया हो।
(घ) अन्तर महाविद्यालय (विश्वविद्यालय) अथवा विद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर उपलब्धि हासिल की हो।

आयु

10. सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु जिस वर्ष भर्ती की जानी हो उस वर्ष की अवधि में 1 जुलाई से विज्ञापित किये जाये तो जिन पदों की योग्यता

मोहरी

इण्टरमीडिएट है उनमें न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष तथा जिन पदों की शैक्षिक योग्यता स्नातक है के संदर्भ में न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष होगी। उत्तराखण्ड के स्थायी निवासियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष एवम् अन्य अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु 35 वर्ष होगी।

परन्तु यह कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य ऐसी श्रेणियों के अभ्यर्थियों के मामले में जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाय, अधिकतम आयु उतनी बढ़ाई जायेगी, जैसा कि विहित किया जाय। सेवा के अन्तर्गत संविदा के आधार पर की गयी सेवा की अवधि तक आयु सीमा में अधिकतम 5 वर्ष की शिथिलता प्रदान की जायेगी। परन्तु यह भी कि किन्हीं विशिष्ट प्रकरणों में प्राविधान से इतर अधिकतम सीमा की छूट दिया जाना आवश्यक समझा जाता है तो उसके लिए सोसाइटी बोर्ड का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा।

टिप्पणी :- प्रतिनियुक्ति पर प्रधानाचार्य के पद के लिए आयु सीमा 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

चरित्र

11. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा।

टिप्पणी :- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा या संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्व में या नियन्त्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

वैवाहिक प्रास्थिति

12. सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हो और ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से कोई पत्नी जीवित हो।

परन्तु यह कि सरकार किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है, यदि समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हो।



शारीरिक स्वस्थता

13. किसी भी अभ्यर्थी को सेवा में तभी नियुक्त किया जायेगा, जब वह मानसिक और शारीरिक रूप से उसका स्वास्थ्य अच्छा हो और वह ऐसे सभी शारीरिक दोष से मुक्त हो, जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षता पूर्वक पालन करने में बाधा पड़ने की सम्भावना न हो, किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह फण्डामेंटल रूल 10 के अधीन बनाये गये और फाईनेन्सियल हैण्ड बुक खण्ड-दो भाग तीन के अध्याय तीन में दिये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें:

परन्तु यह कि पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति पर भर्ती किये गये किसी अभ्यर्थी से स्वस्थता प्रमाण-पत्र की अपेक्षा नहीं की जायेगी।

भाग पांच-भर्ती की प्रक्रिया**रिक्तियों का अवधारण 14.**

सचिव, मैनेजमेंट बोर्ड भर्ती के वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 8 के अधीन आरक्षित किये जाने वाली रिक्तियों की संख्या एवं रोस्टर तैयार करते हुये उसकी सूचना अध्यक्ष, मैनेजमेंट बोर्ड के सम्मुख प्रस्तुत करेंगे।

बोर्ड के अनुमोदन के उपरान्त वर्ष के रिक्त पद या पदों को यदि सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति/ संविदा/आउटसोर्सिंग से लिये जाने की आवश्यकता हों, तो प्रधानाचार्य/सचिव, मैनेजमेंट बोर्ड, प्रस्तावित रिक्तियों की सूची से राज्य सरकार को सूचित करेंगे।

सीधी भर्ती की प्रक्रिया 15.

(क) (एक) नियम 5(3) में शिक्षा अध्यापक (प्रवक्ता) का चयन सीधी भर्ती द्वारा सोसाइटी के बोर्ड के अनुमोदन उपरान्त उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद्/विधि मान्य संस्था के माध्यम से किया जायेगा।

(1) सीधी भर्ती द्वारा चयन के विचारार्थ आवेदन पत्र-भर्ती संस्था द्वारा जारी किये गये विज्ञापन में प्रकाशित विहित प्रपत्र में आमंत्रित किये जायेंगे।

(2) भर्ती संस्था नियम 6 के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों का सम्यक् प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उतने अभ्यर्थियों को जितने वे




पर्याप्त समझें और जो अपेक्षित अर्हतायें पूरी करते हो, साक्षात्कार के लिए बुलायेगा। संस्था यदि आवश्यक समझे तो स्क्रीनिंग परीक्षा भी ली जा सकती है।

(3) भर्ती संस्था अभ्यर्थियों की उनकी प्राप्त अंकों से प्रकट हो, एक सूची तैयार करेगा। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो भर्ती संस्था उनके नाम सेवा के लिए उनकी सामान्य उपयुक्तता के आधार पर योग्यता क्रम में रखेगा। सूची में नामों की संख्या, रिक्तियों की संख्या से अधिक (किन्तु 25 प्रतिशत से अनधिक) होगी। भर्ती संस्था सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगा।

(दो) नियम 5(4)(5) में सहायक खेल अध्यापक एवं सहायक शिक्षा अध्यापक (स्नातक वेतनक्रम) का चयन सीधी भर्ती द्वारा सोसाइटी के बोर्ड के अनुमोदन उपरान्त उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद्/विधि मान्य संस्था के माध्यम से किया जायेगा।

(तीन) नियम 5(7) में चिकित्साधिकारी का चयन साक्षात्कार द्वारा सीधी भर्ती/ प्रतिनियुक्ति द्वारा गठित चयन समिति के माध्यम से किया जायेगा। चयन समिति निम्नवत् होगी :-

(1) सचिव खेल/अध्यक्ष, — अध्यक्ष

मैनेजमेंट बोर्ड, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज
सोसाइटी

(2) महानिदेशक, — सदस्य

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड

(3) निदेशक, खेल — सदस्य

खेल निदेशालय उत्तराखण्ड

(4) प्रधानाचार्य, — सदस्य सचिव

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, रायपुर देहरादून

(1) चयन समिति चिकित्साधिकारी के चयन के लिये विचार किये जाने वाले आवेदन पत्र का विहित विज्ञापन द्वारा प्रकाशित करेगा।

(2) चयन समिति द्वारा जारी प्रवेश-पत्र के बिना किसी भी अभ्यर्थी को साक्षात्कार में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(3) चयन समिति अपनी संस्तुति नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

(चार) नियम 5(8)(11)(12)(13)(14)(15)(16)(17)(18)(19)(22) में फिजियोथैरेपिस्ट, मैस मैनेजर, सहायक पी0टी0आई/ग्राउण्ड इंचार्ज, लाईब्रेरियन, सहायक लेखाकार, आशुलिपिक, ग्राउण्ड मैन, भण्डारी, भारी वाहन चालक, हल्का वाहन चालक एवं कनिष्ठ सहायक का चयन सीधी भर्ती द्वारा सोसाइटी के बोर्ड के अनुमोदन उपरान्त उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद्/विधि मान्य संस्था के माध्यम से किया जायेगा।

(पाँच) समूह 'ग' के पद पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया का निर्धारण कार्मिक विभाग की लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर सीधी भर्ती की चयन प्रक्रिया नियमावली-2008 (समय-समय पर यथा संशोधित) के प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा।

(ख) कोच (संविदा) के पदों हेतु चयन समिति निम्नवत् होगी :-

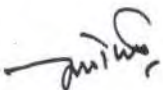
- (1) सचिव खेल/अध्यक्ष, — अध्यक्ष
मैनेजमेंट बोर्ड, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी
- (2) निदेशक, खेल — सदस्य
खेल निदेशालय उत्तराखण्ड
- (3) निदेशक, शिक्षा —सदस्य
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
- (4) जिलाधिकारी द्वारा नामित अनुसूचित जाति/ —सदस्य
अनुसूचित जनजाति का प्रथम श्रेणी का कोई अधिकारी
- (5) प्रधानाचार्य, —सदस्य
महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, रायपुर देहरादून

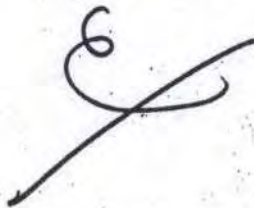
—सदस्य सचिव

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति 16. द्वारा भर्ती प्रक्रिया

(क) प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति चयन समिति के माध्यम से की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे :-

- (1) सचिव खेल/अध्यक्ष, — अध्यक्ष
मैनेजमेंट बोर्ड, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी





- (2) निदेशक, खेल - सदस्य
खेल निदेशालय उत्तराखण्ड
- (3) निदेशक, शिक्षा - सदस्य
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
- (4) अध्यक्ष, मैनेजमेंट बोर्ड द्वारा नामित - सदस्य
ख्याति प्राप्त खिलाड़ी/खेल विशेषज्ञ

(ख) प्रधानाचार्य से इतर पदों पर पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति चयन समिति के माध्यम से की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे :-

- (1) सचिव खेल/अध्यक्ष, - अध्यक्ष
मैनेजमेंट बोर्ड, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी
- (2) निदेशक, खेल - सदस्य
खेल निदेशालय उत्तराखण्ड
- (3) निदेशक, शिक्षा - सदस्य
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
- (4) जिलाधिकारी द्वारा नामित अनुसूचित जाति - सदस्य
अनुसूचित जनजाति का प्रथम श्रेणी का कोई अधिकारी
- (5) प्रधानाचार्य, - सदस्य सचिव
महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, रायपुर देहरादून

टिप्पणी :-

- (1) प्रतिनियुक्ति करने के लिए आवेदन-पत्र का प्रारूप नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, ऐसे न्यूनतम दो दैनिक समाचार पत्रों में जिनका व्यापक परिचालन हो प्रकाशित किया जायेगा।
- (2) चयन समिति में चयन किये गये अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता उस क्रम में, जैसी उस सेवा में हो, जिससे पदोन्नति की जाती है, एक सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।
- (3) पदोन्नति द्वारा भर्ती यथास्थिति ज्येष्ठता एवं अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये के आधार पर नियम 16 के अधीन गठित चयन समिति के आधार पर की जायेगी।
- (4) चयन समिति के सदस्य सचिव के द्वारा पात्र अभ्यर्थी की सूची तैयार की जायेगी और उनकी चरित्र पंजिका तथा उनसे सम्बन्धित अन्य ऐसे अभिलेखों के साथ चयन समिति के समक्ष रखी जायेगी, जो उचित समझे जाय।

amish

6

(5) चयन समिति द्वारा उपनियम (3) के निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार किया जायेगा और यदि वह आवश्यक समझे तो उसके द्वारा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया जा सकता है।

भाग-छ: नियुक्ति, परीक्षा, स्थाईकरण और ज्येष्ठता

संयुक्त चयन सूची

17. यदि किसी वर्ष नियुक्ति सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जाती है तो संगत सूचियों से नाम लेकर एक संयुक्त चयन सूची इस प्रकार तैयार की जायेगी जिससे विहित प्रतिशत बना रहे। सूची में पहला नाम पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्ति का होगा।

नियुक्ति

18. (1) नियुक्ति प्राधिकारी नियम 15 के अनुसार बोर्ड के अनुमोदनापरान्त नियुक्ति करेगा।

(2) यदि किसी एक चयन के सम्बन्ध में नियुक्ति के एक से अधिक आदेश जारी किये जाये तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा, जिसमें व्यक्तियों के नामों का उल्लेख, ज्येष्ठता क्रम में किया जायेगा जैसी यथास्थिति चयन में अवधारित की गई हो या जैसी कि उस संवर्ग व श्रेणी में हो, जिससे उन्हें पदोन्नत किया जाय।

(3) सचिव खेल, उत्तराखण्ड शासन/उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी/अध्यक्ष, मैनेजमेंट बोर्ड - प्रधानाचार्य, चिकित्साधिकारी व वेतनमान 9300-34800 पे बैंड-2, ग्रेड पे-4800 एवं उससे कम ग्रेड पे-4200 तक, के पदों के नियुक्ति प्राधिकारी होंगे।

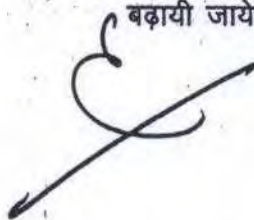
(4) अन्य सभी पदों के लिए प्रधानाचार्य/सचिव, मैनेजमेंट बोर्ड, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी नियुक्ति प्राधिकारी होंगे।

परीक्षा

19. (1) सेवा या किसी स्थाई पद पर या उसके विरुद्ध रिक्ति पर नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी पृथक-पृथक मामले में परीक्षा का दिनांक विनिर्दिष्ट करते हुये जब तक अवधि बढ़ायी गयी है, अवधि बढ़ा सकता है, जिसके कारण अभिलिखित करने होंगे,

परन्तु यह कि आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जायेगी।

- (3) यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसके अन्त में नियुक्त प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है, या संतोष प्रदान करने में अन्यथा विफल रहा है तो उसको उसके मौलिक पद पर यदि कोई हो प्रत्यावर्तित किया जा सकता है और यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार न हो तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती है।
- (4) उपनियम (3) के अधीन जिस परिवीक्षाधीन व्यक्ति को प्रत्यावर्तित किया जाय या जिसकी सेवाएं समाप्त की जाये, वह किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।
- (5) नियुक्ति प्राधिकारी संवर्ग में सम्मिलित किसी पद पर या किसी अन्य समकक्ष या उच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थाई रूप से की गयी निरन्तर सेवा की परिवीक्षा अवधि की संगणना करने के प्रयोजनार्थ गिने जाने की अनुमति दे सकता है।

स्थाईकरण

20.

किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के अन्त में उसकी नियुक्ति में स्थाई कर दिया जायेगा, यदि—

- (क) उसका कार्य और आचरण संतोषजनक बताया जाय,
 (ख) उसकी सत्यनिष्ठता प्रमाणित कर दी जाय, और
 (ग) नियुक्ति प्राधिकारी या यह समाधान हो जाय कि वह स्थायी किये जाने के लिए अन्यथा उपयुक्त है।

ज्येष्ठता

21.


इस नियमावली से आच्छादित पदों के संदर्भ में ज्येष्ठता का निर्धारण उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा।

सेवानिवृत्ति एवं अन्य सेवा शर्तें

22.

- (1) सोसाइटी के सभी कार्मिकों की सेवानिवृत्ति की उम्र राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आदेशों/निर्देशों के अनुसार की जायेगी।
- (2) सोसाइटी सेवा का स्थाई व अस्थाई कर्मी पूर्व अनुमति व उपयुक्त प्रक्रिया अपनाते हुये किसी भी अन्य सेवा हेतु आवेदन कर सकता है।

यदि कर्मी सोसाइटी की सेवाओं को छोड़ना चाहता है तो कॉलेज सोसाइटी द्वारा अन्य सेवाओं के लिए कर्मी का त्याग-पत्र इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकार किया जायेगा कि स्थाई कर्मी तीन व अस्थाई




कर्मि एक माह का पूर्व नोटिस अथवा आहरित वेतन के बराबर की राशि को कॉलेज खाते में जमा करायेगा।

- (1) किसी पूर्व सूचना/नोटिस की आवश्यकता नहीं होगी, यदि कर्मि ने सेवानिवृत्ति की उम्र प्राप्त कर ली हो/सेवा से बर्खास्त कर दिया हो (किसी प्रकरण की जाँच के परिणाम के निर्णय उपरान्त)।
- (2) कॉलेज सोसाइटी द्वारा किसी अस्थाई कर्मि की सेवा समाप्ति की शर्तों, सम्बन्धित के नियुक्ति पत्र में दिये गये शर्तों व प्रतिबन्धों/कारणों के आधार पर की जा सकती है।

भाग-सात वेतन इत्यादि

वेतनमान

23. (1) विभिन्न श्रेणियों के पदों पर चाहे मौलिक या स्थानापन्न रूप में हो या अस्थायी आधार पर, नियुक्त व्यक्तियों को अनुमन्य वेतनमान इस प्रकार होगा जैसा सरकार द्वारा समय समय पर अवधारित किया जाय।
- (2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय का वेतनमान संलग्न परिशिष्ट "क" के विवरणानुसार होंगे।

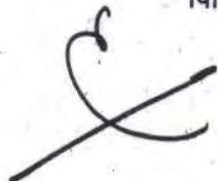
परिवीक्षा अवधि में वेतन

24. मूल नियमों में किसी प्रतिकूल प्राविधान के होते हुये भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति, यदि स्थाई सोसाइटी सेवा में नहीं है, तो उसे एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करने, विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, जहाँ विहित हो, समयमान में पृथक वेतन वृद्धि की अनुमति प्रदान की जायेगी तथा दूसरी वेतन वृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात परिवीक्षा अवधि पूर्ण किये जाने पर दी जायेगी, परतु उपबन्ध यह है कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दे, ऐसी बढ़ायी गयी अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जायेगी।

भाग-आठ अन्य प्राविधान

अन्य विषयों का विनियमन

25. ऐसे विषयों के सम्बन्ध में जो इन नियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते सोसाइटी सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सेवारत सरकारी सेवकों पर साधारणतः लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे।

सेवा शर्तों का 26.
शिथिलीकरण

यदि सोसाइटी का यह समाधान हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है, तो वे इस मामले में लागू नियमावली में किसी बात के होते हुये भी आदेश द्वारा इस सीमा तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन इस नियम की अपेक्षाओं को अभिमुक्त कर देगी या शिथिल कर देगी, जो वह मामले के सम्बन्ध में न्यायोचित तथा साम्यतापूर्ण कार्यवाही करने के लिए उचित समझे।

परंतु यह कि इस प्रकार का शिथिलीकरण प्रदान करते हुये विषयगत मामले में राज्य सरकार द्वारा स्थापित व्यवस्थाओं इत्यादि का ध्यान रखा जायेगा।

व्यावृत्ति

27.

इस नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबंधित किया जाना अपेक्षित हो।

मि. अ. अ.

आज्ञा है
अजय कुमार प्रदयोत
(अजय कुमार प्रदयोत)
अध्यक्ष
महाराष्ट्र प्रताप मैनेजमेंट बोर्ड

परिशिष्ट-क

क्र. सं.	पद का नाम	छवें वेतन के आधार पर पुनर्नियुक्त वेतनमान	पदों की संख्या	अभ्युक्ति
----------	-----------	---	----------------	-----------

प्रशासनिक संवर्ग :-

1	प्रधानाचार्य	15600-39100 पे बैंड-3 ग्रेड पे-7600	01	
---	--------------	--	----	--

प्रशिक्षण/शैक्षिक संवर्ग :-

2	खेल अध्यापक (वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक)	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4800	04	
3	शिक्षा अध्यापक (प्रवक्ता)	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4800	06	
4	सहायक खेल अध्यापक (खेल प्रशिक्षक)	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4600	07	
5	सहायक शिक्षा अध्यापक (स्नातक श्रेणी)	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4600	05	
6	कोच (संविदा)	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4600	06	

चिकित्सा संवर्ग :-

7	चिकित्साधिकारी	15600-39100 पे बैंड-3 ग्रेड पे-5400	01	
8	फिजियोथैरेपिस्ट	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4200	01	

विविध संवर्ग :-

9	पी.टी.आई/ग्राउण्ड इन्चार्ज	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4600	01	
10	समन्वयक	9300-34800 पे बैंड-2 ग्रेड पे-4200	01	
11	मैस मैनेजर	5200-20200 पे बैंड-2 ग्रेड पे-2800	01	
12	सहायक पीटीआई/ग्राउण्ड इन्चार्ज	5200-20200 पे बैंड-1 ग्रेड पे-2800	01	
13	लाइब्रेरियन	5200-20200 पे बैंड-1 ग्रेड पे-2800	01	
14	सहायक लेखाकार	5200-20200 पे बैंड-1 ग्रेड पे-2800	01	
15	ग्राउण्ड मैन	5200-20200 पे बैंड-1 ग्रेड पे-2400	01	
16	भण्डारी	5200-20200 पे बैंड-1 ग्रेड पे-2000	01	

17	भारी वाहन चालक	5200-20200 पे बैण्ड-1 ग्रेड पे-1900	01	
18	हल्का वाहन चालक	5200-20200 पे बैण्ड-1 ग्रेड पे-1900	01	
19	अनुसेवक (चपरासी)	4440-7440 पे बैण्ड-1 एस ग्रेड पे-1800	01	
20	माली	4440-7440 पे बैण्ड-1 एस ग्रेड पे-1800	01	

मिनिस्ट्रियल संवर्ग :-

21	प्रशासनिक अधिकारी	9300-34800 पे बैण्ड-2 ग्रेड पे-4600	01	
22	वरिष्ठ सहायक	5200-20200 पे बैण्ड-1 ग्रेड पे-2800	02	
23	आशुलिपिक	5200-20200 पे बैण्ड-1 ग्रेड पे-2800	01	
24	कनिष्ठ सहायक	5200-20200 पे बैण्ड-1 ग्रेड पे-2000	02	
		कुल योग	49	

विभिन्न भर्ती पदों पर राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी/प्रख्यापित आदेशों/शासनादेशों को मैनेजमेंट बोर्ड के अनुमोदन उपरान्त निर्धारित भर्ती प्रक्रिया अपनाई जा सकती है।